Topic 1 :– भगवान महावीर

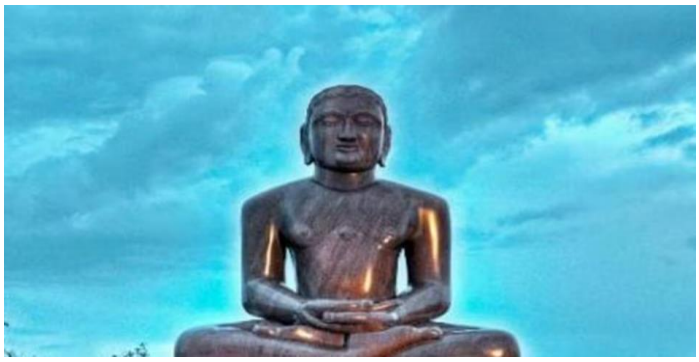

चर्चा में क्यों :– हाल ही में भगवान महावीर के 2550वां निर्वाण महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस महोत्सव का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा भारत मंडपम में किया गया। इस महोत्सव का आयोजन "अहिंसा महोत्सव" के रूप में किया गया।

इस महोत्सव का आयोजन 'भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव समिति' द्वारा किया गया।

भगवान महावीर के 2550वां निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष में प्रधानमंत्री ने एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

महोत्सव का मुख्य उद्देश्य :– भगवान महावीर के जीवन और उनके अहिंसा और दयालुता के सिद्धांतों को समर्पित करके मानवता को उनके संदेशों की महत्वपूर्णता समझाना।

महावीर स्वामी - इनका जन्म 599 ईसा पूर्व में हुआ था। महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर हुए।
पिता राजा सिद्धार्थ तथा माता रानी त्रिशला थी
महावीर स्वामी ने जैन धर्म में पहले से चले आ रहे चार सिद्धांतों (अहिंसा, सत्य, अस्तेय एवं अपरिग्रह) में पांचवें सिद्धांत ब्रह्मचर्य (शुद्धता) को जोड़ा।

जैन धर्म के तीन रत्नों या त्रिरत्न में शामिल हैं:

- सम्यक दर्शन (सही विश्वास)।
- सम्यक ज्ञान (सही ज्ञान)।
- सम्यक चरित्र (सही आचरण)।
- यह वर्ण व्यवस्था की निंदा नहीं करता है।
- जैन धर्म अपनी सहायता स्वयं ही करने पर बल देता है।
- इसके अनुसार, कोई देवता या आध्यात्मिक प्राणी नहीं हैं, जो मनुष्य की सहायता करेंगे।

Result Mitra

प्रश्न. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2017)

1. सौत्रन्तिक और सम्मितीय जैन मत के सम्प्रदाय थे।

2. सर्वास्तिवादियों की मान्यता थी कि दृग्विषय (फिनोमिया) के अवश्व पूर्णत: क्षणिक नहीं हैं, अपितु अव्यक्त रूप में सदैव विद्यमान रहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

Topic 2:– अमिट स्याही (Indelible Ink)

चर्चा में क्यों : – आम चुनाव 2024 में इसका व्यापक प्रयोग होने के कारण चर्चा में।

स्याही को प्रयोग किए जाने के उद्देश्य :– चुनाव प्रतिक्रिया में किसी भी व्यक्ति को एक बार से अधिक वोटिंग करने से रोकने के लिए इस स्याही का प्रयोग किया जाता है।

जब कोई मतदाता एक बार वोट दे देता है तो उसकी एक उंगली पर इस स्याही को लगा दिया जाता है जिससे वह व्यक्ति दोबारा वोटिंग ना कर सके

इस स्याही की जरूरत कब से पड़ी :– 1951-52 में पहली बार हुए चुनाव में कई मतदाताओं ने किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति के स्थान पर वोट डाल दिया तो कई मतदाताओं ने एक से अधिक बार अपने मत का प्रयोग किया। निर्वाचन आयोग ने ऐसी समस्याओं से बचने के लिए ही अलग-अलग उपायों को अपनाने पर विचार किया।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं की उंगली पर एक विशेष प्रकार का चिन्ह लगाने पर विचार किया जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि संबंधित व्यक्ति ने पहले पहले ही अपने मत का प्रयोग कर दिया है।

निर्वाचन आयोग ने इस कार्य के लिए नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी ऑफ इंडिया (NPL) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) से समझौता किया। इसका पेटेंट राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (NRDC), नई दिल्ली द्वारा कराया गया।

एनपीएल (NPL) द्वारा निर्मित इस विशेष प्रकार की स्याही की विशेषता है कि यह ना तो पानी से और ना ही किसी केमिकल से हटाया जा सकता था। इस स्याही को बनाने का ऑर्डर मैसूर पेंट एंड वार्निश कंपनी (Mysore Paints and Varnish Limited, MPVL) को दिया गया।

मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड को स्याही बनाने का लाइसेंस दिया गया है तथा यह 1962 से इस कार्य को कर रही है।

इस स्याही को अमिट क्यों कहा जाता है:–

इस स्याही में सिल्वर नाइट्रेट का प्रयोग किया जाता है। जिस कारण यह जल्दी नहीं मिटती, यह एक रंगहीन यौगिक है जो सूर्य के प्रकाश सहित पराबैंगनी प्रकाश के संपर्क में आने पर दिखाई देता है।

इस अमिट स्याही में अल्कोहल विलायक भी मिलाया जाता है जिससे यह मानव त्वचा पर जल्दी सुख सके।

निशान लगाने के बाद 72 घंटों तक यह साबुन, तरल पदार्थ, डिटर्जेंट आदि के प्रति प्रतिरोधी बना रह सकता है।

इस स्याही का प्रयोग न सिर्फ भारत में किया जाता है बल्कि अन्य राष्ट्रों को भी निर्यात किया जाता है. भारत वर्तमान में 25 से अधिक देशों को इस स्याही को निर्यात करता है जिसमें कई विकसित राष्ट्रीय शामिल है. मंगोलिया, मलेशिया, नेपाल, कनाडा, घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और मालदीव शामिल हैं।
प्रत्येक चुनाव में इसका प्रयोग अलग-अलग प्रकार से किया जाता है

भारत में जहां इस की की मदद से एक उंगली पर निशान लगाया जाता है तो वही कंबोडिया और मालदीव में मतदाताओं की उंगली स्याही में डुबोई जाती है

Result Mitra

Topic 3 :– लक्ष्मण तीर्थ नदी

चर्चा में क्यों- चर्चा में क्यों वर्ष 2023 में काम मानसूनी वर्षा तथा वर्तमान में भीषण गर्मी और भीषण सूखे की स्थिति के कारण यह नदी नदी पूरी तरह सूख गई है।

लक्ष्मण तीर्थ नदी कावेरी नदी की प्रमुख सहायक नदी है।

नदी का उद्गम :– कर्नाटक के कोडागु (कूर्ग) जिले सेकी ब्रह्मगिरि पहाड़ियों से।

नदी की कुल लंबाई लगभग 180 किलोमीटर है। नदी अपनी सुरम्य पहाड़ियों, घने जंगलों के लिए प्रसिद्ध है।
यह नदी कुर्ग के दक्षिण के समतल क्षेत्र से होकर पूर्व दिशा की ओर बहती है। लक्ष्मण तीर्थ नदी कृष्णा राज सागर झील में कावेरी नदी से मिलती है।

कावेरी नदी :–

कावेरी नदी, दक्षिणी भारत की प्रमुख नदियों में से एक है।

नदी का विस्तार :– तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी राज्यों तक।

कावेरी नदी को हिंदू धर्म में एक पवित्र नदी का दर्जा प्राप्त है।

कावेरी नदी की सहायक नदियां :–

दाहिने ओर से मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियाँ: – लक्ष्मणतीर्थ, भवानी, कब्बानी, सुवर्णावती, नोयिल और अमरावती।

बाएं ओर से मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियाँ: – हेमावती,अर्कावती, शिमशा और हरंगी।

Topic 4 :– एथिलीन ऑक्साइड

Result Mitra

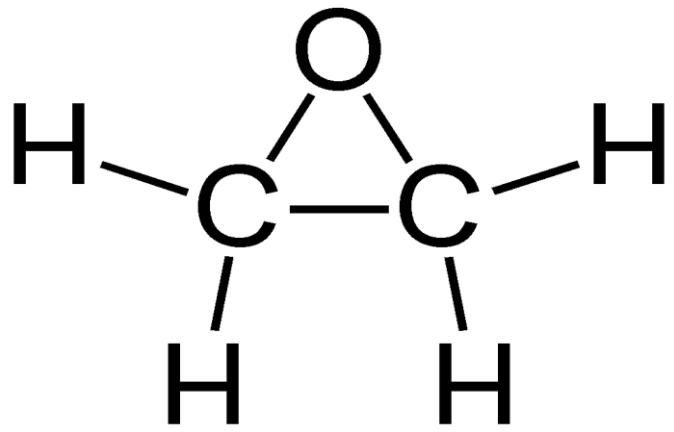

चर्चा में क्यों :– हाल ही में सिंगापुर और हांगकांग ने भारतीय मसाले पर रोक लगा दी है

यह रोक सिंगापुर फूड एजेंसी (SFA) द्वारा लगाई गई है
इस रोग का कारण मसाले में 'एथिलीन ऑक्साइड' की मौजूदगी है

एथिलीन ऑक्साइड :–

- यह रंगहीन, आकर्षक गंध वाली ज्वलनशील गैस होती है।

उपयोग :– वस्त्र उद्योग, प्लास्टिक, एंटीफ्रीज, डिटर्जेंट और कीटनाशक के रूप में तथा चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज़ करने में, एडहेसिव सहित अन्य केमिकल्स के निर्माण के लिए।

मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव:–

अधिक लंबे समय तक संपर्क में रहने से आंखों, त्वचा और श्वसन मार्ग में जलन की समस्या और तंत्रिका तंत्र प्रभावित होने का खतरा। कैंसर जैसे गंभीर बीमारी होने का भी खतरा।

Result Mitra